



स्वच्छ वायु सर्वेक्षण पुरस्कार 2024

स्रोत: पी.आई.बी.

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री एवं राजस्थान के मुख्यमंत्री ने जयपुर में अंतरराष्ट्रीय स्वच्छ वायु नील गगन दविस (स्वच्छ वायु दविस) के अवसर पर स्वच्छ वायु सर्वेक्षण पुरस्कार 2024 प्रदान किया।

नोट:

- प्रत्येक वर्ष 7 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय स्वच्छ वायु नील गगन दविस मनाया जाता है ताकि वायु गुणवत्ता में सुधार के लिये जागरूकता बढ़ाई जा सके और कार्रवाई की जा सके। संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) ने वर्ष 2019 में इसकी घोषणा की थी।

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण पुरस्कार 2024 क्या है?

पुरस्कार के बारे में:

- स्वच्छ वायु सर्वेक्षण पुरस्कार, 2024, जनसंख्या के आधार पर तीन श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राष्ट्रीय स्वच्छ वायु अभियान (NCAP) शहरों को प्रदान किया गया। विजेता शहर हैं:
 - श्रेणी-1 (10 लाख से अधिक जनसंख्या): सूरत, जबलपुर और आगरा।
 - श्रेणी-2 (3-10 लाख के बीच जनसंख्या): फरीजाबाद, अमरावती और झाँसी।
 - श्रेणी-3 (3 लाख से कम जनसंख्या): रायबरेली, नलगोंडा और नालागढ़।
- विजेता शहरों के नगर आयुक्तों को नकद पुरस्कार, ट्रॉफी और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण (SVS):

- परिचय:
 - स्वच्छ वायु सर्वेक्षण (SVS) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) द्वारा 131 गैर-प्राप्त शहरों में शहर कार्य योजना (NCAP) के तहत अनुमोदित गतिविधियों के कार्यान्वयन और वायु गुणवत्ता के आधार पर शहरों को रैंक करने की एक नई पहल है।
 - यदि 5 वर्ष की अवधि में वे लगातार PM10 या NO2 के लिये राष्ट्रीय परविशी वायु गुणवत्ता मानकों (NAAQS) को पूरा नहीं करते हैं तो शहरों को गैर-प्राप्त घोषित किया जाता है।
 - शहरों का वर्गीकरण की जनगणना- 2011 के आधार पर किया गया है।
- मानदंड: शहरों का मूल्यांकन आठ प्रमुख बंधुओं पर किया गया:
 - बायोमास पर नियंत्रण
 - नगरपालिका के ठोस अपशिष्ट को जलाना
 - सड़क की धूल
 - निर्माण और वधिवंस अपशिष्ट से निकलने वाली धूल
 - वाहनों से निकलने वाला उत्सर्जन
 - औद्योगिक उत्सर्जन
 - सार्वजनिक जागरूकता
 - PM10 सांद्रता में सुधार


राष्ट्रीय स्वच्छ वायु अभियान (National Clean Air Campaign- NCAP)

- **परिचय:** राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP) का उद्देश्य सभी हतिधारकों को शामिल करके और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करके वायु प्रदूषण को व्यवस्थित रूप से नियंत्रित करना है।
 - NCAP के तहत शहर-वशिष्ट कार्य योजनाओं के कार्यान्वयन के लिये 131 शहरों की पहचान की गई है।
- **लक्ष्य:** यह समयबद्ध कमी लक्ष्य के साथ वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिये राष्ट्रीय फ्रेमवर्क तैयार करने का देश का पहला प्रयास है।
 - इसका उद्देश्य आधार वर्ष 2017 के साथ आगामी पाँच वर्षों में भारी (व्यास 10 माइक्रोमीटर या उससे कम या PM10 के कण पदार्थ) और महीन कणों (व्यास 2.5 माइक्रोमीटर या उससे कम या PM2.5 के कण पदार्थ) के संकेंद्रण में कम-से-कम 20% की कमी लाने का प्रयास करना है।
- **नगिरानी:** पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा “PRANA” पोर्टल भी लॉन्च किया गया है।
 - NCAP के कार्यान्वयन की नगिरानी करना।
 - शहरों की कार्ययोजनाओं और कार्यान्वयन की स्थितिकी नगिरानी करना।
 - शहरों द्वारा अपनाई गई सर्वोत्तम प्रथाओं को दूसरों के लिये अनुकरणीय बनाना।

स्वच्छ वायु के संबंध में सरकार की क्या पहल हैं?

- वाहन सकरैप नीति
- अपशिष्ट से संपदा अभियान
- 'एक पेड़ माँ के नाम' कार्यक्रम
- मशिन लाइफ
- आइडियाज़4लाइफ अभियान

वायु प्रदूषक



सल्फर डाइऑक्साइड (SO₂):

परिचय: यह जीवाश्म ईंधन (तेल, कोयला और प्राकृतिक गैस) के उपभोग से उत्पन्न होता है तथा जल के साथ अभिक्रिया कर अम्ल वर्षा करता है।

प्रभाव: श्वास संबंधी समस्याओं का कारण बनता है।

ओजोन (O₃):

परिचय: सूर्य के प्रकाश में अभिक्रिया के तहत अन्य प्रदूषकों (छत्र और टब्र) से बनने वाला द्वितीयक प्रदूषक।

प्रभाव: आँख और श्वसन संबंधी श्लेष्म झिल्ली में जलन होना तथा अस्थमा के दौर।

नाइट्रोजन डाइऑक्साइड (NO₂):

परिचय: यह तब बनता है जब नाइट्रोजन ऑक्साइड (छत्र) और अन्य नाइट्रोजन ऑक्साइड (नाइट्रस एसिड और नाइट्रिक एसिड) हवा में अन्य रसायनों के साथ प्रतिक्रिया करते हैं।

प्रभाव: श्वसन रोग साथ ही यह अस्थमा को भी बढ़ा सकता है।

कार्बन मोनो ऑक्साइड (CO):

परिचय: यह कार्बन युक्त यौगिकों के अधूरे दहन से प्राप्त एक उत्पाद है।

प्रभाव: मस्तिष्क तक ऑक्सीजन की अपर्याप्त पहुँच के कारण थकान होना, भ्रम की स्थिति पैदा होना और चक्कर आना।

अमोनिया (NH₃):

परिचय: अमोनो एसिड और अन्य यौगिकों के चयापचय द्वारा उत्पादित जिनमें नाइट्रोजन उपस्थित होता है।

प्रभाव: आँखों, नाक, गले और श्वसन मार्ग में तुरंत जलन और इसके परिणामस्वरूप अंधापन, फेफड़ों की क्षति हो सकती है।

शीशा/लेड (Pb):

परिचय: चाँदी, प्लेटिनम और लोहे जैसी धातुओं के निष्कर्षण के दौरान अपने संबंधित अयस्क से अपशिष्ट उत्पाद के रूप में मुक्त होता है।

प्रभाव: एनीमिया, कमजोरी और गुदरे तथा मस्तिष्क की क्षति।

कणिक कण/पार्टिकुलेट मैटर (PM):

- PM10: ऐसे कण जो श्वास के माध्यम से शरीर में प्रवेश करते हैं, इनका व्यास सामान्यतः 10 मिमी. या उससे भी कम होता है।
- PM2.5: ऐसे सूक्ष्म कण जो श्वास के माध्यम से शरीर में प्रवेश करते हैं, इनका आकार सामान्यतः 2.5 मिमी. या उससे भी छोटा होता है।
- स्रोत: ये इनके उत्सर्जन निर्माण स्थलों, कच्ची सड़कों, खेतों/मैदानों तथा आग से उत्सर्जित होते हैं।
- प्रभाव: हृदय की धड़कनों का अनियमित होना, अस्थमा का और गंभीर हो जाना तथा फेफड़ों की कार्यक्षमता में कमी।

नोट: इन प्रमुख वायु प्रदूषकों को वायु गुणवत्ता सूचकांक में शामिल किया गया है जिसके लिये अल्पकालिक राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक निर्धारित किये गए हैं।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)

????????

प्रश्न. राष्ट्रीय हरति अधकिरण (एन.जी.टी.) कसि प्रकार केंद्रीय प्रदूषण नयितरण बोरड (सी.पी.सी.बी.) से भनि है? (2018)

1. एन.जी.टी. का गठन एक अधनियिम द्वारा कयिा गया है जबकसी.पी.सी.बी. का गठन सरकार के कार्यपालक आदेश से कयिा गया है।
2. एन.जी.टी. पर्यावरणीय न्याय उपलब्ध कराता है और उच्चतर न्यायालयों में मुकदमों के भार को कम करने में सहायता कराता है जबकसी.पी.सी.बी. झरनों तथा कुँओं की सफाई को प्रोत्साहति कराता है एवं देश में वायु की गुणवत्ता में सुधार लाने का लक्ष्य रखता है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (b)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/swachh-vayu-survekshan-award-2024>

